कार्यालय प्राचार्य, शासकीय डॉ.वा.वा.पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
केन्द्रीय विद्यालय के पास, जेलरोड दुर्ग (छ.ग.)
पूर्व नाम–शासकीय कन्या महाविद्यालय,दुर्ग (छ.ग.) फोन 0788–2323773
Email- govtgirlspgcollege@gmail.com Website: www.govtgirlspgcollegedurg.ac.in
College Code : 1602

दुर्ग, दिनांक : 18.02.2026

/प्रेस विज्ञप्ति/

कन्या महाविद्यालय में

संकाय उन्नयन कार्यक्रम

शासकीय डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग में दिनांक 18 से 24 फरवरी 2026 तक फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (संकाय उन्नयन कार्यक्रम) का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 रंजना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया जा रहा है। जिसका मुख्य विषय 'लैंगिक समानता के राजदूत के रूप में संकाय सदस्यों का उन्नयन' है। इस अवसर पर पद्मश्री फुलबासन बाई यादव का सम्मान किया गया। फुलबासन बाई यादव ने कहा कि महिलाओं को सशक्त करने एवं उनका मनोबल बढ़ाने हेतु निरंतर प्रयासरत हैं। छात्राओं को प्रेरित करते हुए उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, नशा उन्मूलन, बेटा-बेटी में समानता, आत्मनिर्भरता आदि पर अपने विचार व्यक्त किए। प्राचार्य डॉ0 रंजना श्रीवास्तव ने कहा कि लैंगिक समानता एक स्वस्थ और प्रगतिशील समाज की नींव है। समाज में प्रत्येक व्यक्ति को समान अवसर व सम्मान मिलेगा, तभी वास्तविक विकास होगा, हमें शिक्षा द्वारा समाज की प्रत्येक इकाई तक पहुँचाने का प्रयास करना चाहिए। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती अल्का बाघमार, महापौर नगर निगम दुर्ग ने कहा- कि लैंगिक समानता का उद्देश्य है कि उन बाधाओं को दूर करना जो महिलाओं को शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक अवसरों तक पहुंचने से रोकती हैं। विशिष्ट अतिथि श्रीमती प्रीति साहू, जनभागीदारी अध्यक्ष ने कहा कि लैंगिक समानता द्वारा महिलाओं सशक्त बनाया जा सकता है।

मुख्य वक्ता डॉ0 प्रीति शर्मा, प्राचार्य शहीद नंदकुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय, बीरगांव, रायपुर के व्यक्तव्य का विषय 'अकादमिक क्षेत्र में लैंगिक भूमिका रूढ़ियां एवं पूर्वाग्रह को समझना' पर व्याख्यान देते हुए कहा कि आज के युग में लैंगिक समानता अत्यंत आवश्यक है। सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक विकास, लैंगिक समानता पर निर्भर हैं, क्योंकि समान शिक्षा का अधिकार समाज में जागरुकता व आत्मनिर्भरता बढ़ाता है। कार्यक्रम की संयोजक डॉ0 रेशमा लाकेश की पुस्तक 'तनाव प्रबंधन' का विमोचन हुआ तथा इस कार्यक्रम का महत्व बताते हुए कहा कि लैंगिक समानता रूढ़ियों को तोड़कर पुरुषों और महिलाओं दोनों को अपनी क्षमता का पूरी तरह से एहसास करने की अनुमति देता है। यह केवल महिलाओं का मुद्दा नहीं है, बल्कि यह एक न्यायपूर्ण, समृद्ध और समावेशी भविष्य के लिए एक आवश्यक निवेश है। समस्त अतिथियों का परिचय डॉ0 सुषमा यादव ने दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ0 मीरा गुप्ता, डॉ0 के0 एल0 राठी, डॉ0 मीनाक्षी अग्रवाल, अतिथि व्याख्याता, कर्मचारीगण एवं महाविद्यालय की छात्राऐं उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन डॉ0 मिलिंद अमृतफले व आभार प्रदर्शन डॉ0 यशेश्वरी ध्रुव ने किया।

टीप - छात्रहित में प्रकाशन हेतु निवेदित।

(डॉ0 रंजना श्रीवास्तव)
प्राचार्य
शास0 डॉ0 वा0 वा0 पाटणकर कन्या
स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग (छ0ग0)

संकाय उन्नयन कार्यक्रम